चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	22.6.22	2	7-8

अनुसूचित जाति के बेरोजगारों को रोजगार के लिए एचएयू देगा प्रशिक्षण

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविधालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के निर्देश पर विश्वविद्यालय का सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान इस वर्ष भी हरियाणा के स्थायी अनुसूचित जाति जनजाति के पढ़े-लिखे बेरोजगार युवकों और युवतियों के लिए विभिन्न प्रकार के 14 रोजगारन्मुखी प्रशिक्षण आयोजित करने जा रहा है।

संस्थान के सह निदेशक डा. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि आठ प्रशिक्षण हरियाणा सरकार और छह प्रशिक्षण राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की प्रायोजित स्कीमों के तहत आयोजित किए जाएंगे जिनसे उक्त वर्ग के सैकड़ों प्रशिक्षणार्थी लाभान्वित होंगे। यह सभी प्रशिक्षण विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल की देख-रेख में आयोजित होंगे। डा. गोदारा के अनुसार प्रत्येक प्रशिक्षण में केवल 30 युवकों-युवतियों का चयन किया जाएगा और प्रशिक्षण की अवधि पांच दिवसीय होगी।

आवेदक की आयु 18-45 वर्ष, शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास और परिवार के किसी सदस्य ने पहले इस विश्वविद्यालय या इसके अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्रों-संस्थानों इत्यादि से सरकार प्रायोजित किसी स्कीम के तहत प्रशिक्षण के बाद सहायता सामग्री न ली हो।

ये दस्तावेज जमा कराने होंगे

आवेदन के लिए प्रार्थी को अपने साथ एक फोटो, आधार कार्ड, अनुसूचित जाति/जनजाति का प्रमाण पत्र, परिवार पहचान पत्र, दसवीं का प्रमाण पत्र, अन्य शैक्षणिक प्रमाण पत्र, बैंक की पास-बुक इत्यादि की प्रतिलिपि साथ लेकर आनी होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	22-9-22	5	7-8

एचएयू हरियाणा के अनुसूचित जाति/जनजाति के बेरोज़गार युवकों/युवतियों को देगा रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण

हिसार, 21 सितम्बर (विरेंद्र वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के दिशानिर्देश पर विश्वविद्यालय का सावना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान इस वर्ष भी हरियाणा प्रांत के स्थायी निवासी अनुसूचित जाति/जनजाति के पढ़े-लिखे बेरोजगार युवकों तथा युवतियों के लिए विभिन्न प्रकार के 14 रोजगारन्मुखी प्रशिक्षण आयोजित करने जा रहा हैं।

उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि आठ प्रशिक्षण हरियाणा सरकार तथा छः प्रशिक्षण राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की प्रायोजित स्कीमों के तहत आयोजित किए जाएंगे जिनसे उक्त वर्ग के सैकड़ों प्रशिक्षणार्थी लाभान्वित होंगे। इनमें चार प्रशिक्षण फल एवं सब्जी परिरक्षण, तीन मशरूम उत्पादन तकनीक, दो कटाई एवं सिलाई, दो प्रशिक्षण बेकरी, एक प्रशिक्षण स्प्रे तकनीक, एक प्रशिक्षण दुग्ध उत्पादन एवं इसके मूल्य संवर्धित उत्पाद तथा एक प्रशिक्षण नर्सरी उत्पादन पर आयोजित किए जाएंगे। यह सभी प्रशिक्षण विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल की देख-रेख में आयोजित होंगे। डॉ. गोदारा के अनुसार प्रत्येक प्रशिक्षण में केवल 30 युवकों/युवतियों का चयन किया जाएगा और प्रशिक्षण की अवधि पांच दिवसीय होगी।

उपरोक्त प्रशिक्षणों में भाग लेने के लिए आवेदक की आयु 18-45 वर्ष, शैक्षणिक योग्यता 10 वीं पास और परिवार के किसी सदस्य ने पहले इस विश्वविद्यालय या इसके अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्रों/संस्थानों इत्यादि से सरकार प्रायोजित किसी स्कीम के तहत प्रशिक्षण के बाद सहायता सामग्री न ली हो। हरियाणा प्रांत के स्थायी निवासी बेरोजगार युवक तथा युवतियाँ जो उपर्युक्त योग्यता रखते हैं और प्रशिक्षण लेने के बाद इससे संबंधित अपना व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं वे इस संस्थान में 25-30 सितंबर, 2022 तक आवेदन कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22-9-22	5	1-5

सलाह • एचएयू ने किसानों के लिए विकसित की अधिक उपज देने वाली किस्में

अच्छी उपज के लिए तोरिया, राया, तारामीरा, भूरी व पीली सरसों की सितंबर और अक्टूबर में करें बुवाई

महबूब अली| हिसार

सितंबर से अक्टूबर तक सरसों वर्गीय फसलों के तहत तोरिया, राया, तारामीरा, भूरी व पीली सरसों की उन्नत किस्मों की बुवाई कर किसान अधिक उपज प्राप्त कर सकते हैं। एचएयू के वैज्ञानिक किसानों को उन्नत किस्मों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर कम्बोज के अनुसार, सरसों रबी में उगाई जाने वाली फसलों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। सरसों वर्गीय फसलों के तहत तोरिया, राया, तारामीरा, भूरी व पीली सरसों आती हैं। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, हिसार, सिरसा, भिवानी व नूंह जिलों में बोई जाती है। आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष एवं कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने बताया कि विश्वविद्यालय ने तिलहनी फसलों की बहुत सी अधिक उपज देने वाली किस्में विकसित की हैं।

सिंचित भूमि में सरसों, राया व तोरिया में बीज दर 1.25 किलो प्रति एकड़

सरसों की किस्में

- आरएच-30: राया की यह किस्म 135-140 दिन में पकती है व इसकी औसत पैदावार 8-9 क्विंटल प्रति एकड़ है।
- टी-59 (वरुणा): यह किस्म 140-142 दिन में पकती है व इसकी औसत पैदावार 8-9 क्विंटल प्रति एकड़ है।
- आरएच-8113 (सौरभ): यह किस्म 150 दिन में पकती है व इसकी औसत पैदावार 9-10 क्विंटल प्रति एकड़ है।
- आरएच-8812 (लक्ष्मी): यह किस्म 142-145 दिन में पकती है व इसकी औसत पैदावार 9-10 क्विंटल प्रति एकड़ है।
- आरएच-781: यह किस्म 140 दिन में पकती है व इसकी औसत पैदावार 7-8 क्विंटल प्रति एकड़ है।

तोरिया की किस्में

- संगम: तोरिया की यह किस्म 112 दिन में पकती है व इसकी औसत पैदावार 6-7 क्विंटल प्रति एकड़ है।
- टीएल-15: तोरिया की यह किस्म 85-90 दिन में पकती है व इसकी औसत पैदावार 5-6 क्विंटल प्रति एकड़ है।
- टीएच-68: तोरिया की यह किस्म 90 दिन में पकती है व इसकी औसत पैदावार 6 क्विंटल प्रति एकड़ है।

तारामीरा की किस्म

- टी-27: तारामीरा की यह किस्म 150 दिन में पकती है व इसकी औसत पैदावार 2.5 क्विंटल प्रति एकड़ है।

बुवाई का समय

वैज्ञानिक राम अवतार के अनुसार तोरिया बिजाई के लिए सितंबर का पहला पखवाड़ा, सरसों के लिए 25 सितंबर से, राया के लिए 30 सितंबर से की जा सकती है।

बीज की मात्रा

जब सरसों, राया और तोरिया में अनुशंसित बीज दर सिंचित परिस्थितियों में 1.25 किलोग्राम प्रति एकड़ व बारानी स्थिति में 2 किलोग्राम प्रति एकड़ होती है।

ऐसे करें सिंचाई

सरसों वर्गीय फसलों में, राया सिंचाई के लिए अधिक प्रतिक्रियाशील है। 2 सिंचाई, एक फूल आने पर और दूसरी फली बनने के समय तोरिया, सरसों और राया में अधिकतम उपज होती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	22-9-22	4	1-5

टिप्स • वैज्ञानिकों ने प्रदेश के गन्ना किसानों को फसल में होने वाले विभिन्न रोगों से बचाने के लिए किया सतर्क

गन्ने की फसल की 30 तक देखभाल जरूरी, शरदकालीन बुवाई को खेत तैयार करें किसान, फसल के बीच में सब्जियां उगा आय बढ़ाएं

महबूब अली | हिसार

30 सितंबर तक गन्ने की फसल के लिए देखभाल जरूरी है। इसी माह में शरदकालीन बुवाई के लिए गन्ने का खेत भी तैयार किया जा सकता है। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बी आर कम्बोज का कहना है कि फसल के बीच में फूलगोभी, बंदगोभी, गांठ गोभी, धनिया, मेथी, अन्य सब्जियों को उगाकर भी किसान आमदनी बढ़ा सकते हैं। जरा सी देखभाल से गन्ने की फसल को विभिन्न बीमारियों से भी बचाया जा सकता है। एचएयू के अंतर्गत स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र करनाल के वैज्ञानिक प्रदेश के किसानों को गन्ने की फसल के संबंध में टिप्स दे रहे हैं।

22 से 30 सितंबर तक गन्ने की फसल के लिए यह जरूरी

एचएयू के रीजनल डायरेक्टर डॉ ओपी चौधरी के अनुसार-

- हरियाणा में इस बार सितंबर में कम बारिश होने के कारण 8-10 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें।
- अधिक वर्षा होने पर खेतों में पानी खड़ा न होने दें व ठहराव से बचें व अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- जल निकासी के बाद 25 किलो यूरिया प्रति एकड़ की दर से 2.5 प्रतिशत यूरिया का छिड़काव करें।

गन्ने को गिरने से बचाने के लिए बंधाई अवश्य करें

- पंक्ति से पंक्ति की दूरी 90-150 सेमी. रखें व खुड्डों में 7 पोरियों की प्रति मीटर बिजाई करें।
- शरद कालीन बिजाई में फूलगोभी, बंदगोभी, गांठ गोभी, धनिया, मेथी आदि सब्जियां वी तोरिया को अंतर फसल उगाने से किसान अतिरिक्त मुनाफा कमा सकता है।
- गन्ने व अंतर फसलों का बेहतर अंकुरण सुनिश्चित करने के लिए खेत की मिट्टी भुरभुरी हो व ढेले बिल्कुल न रहें। बिजाई के 5-7 दिनों के बाद

बैड पर अंतर फसलों की बुवाई के बाद खुड्डों में एक हल्की सिंचाई करें।

- छोटी अवधि की कम फैलने वाली किस्मों का चुनाव, फसलों में खाद के प्रयोग का ध्यान रखें।
- यह समय गन्ने का गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन के लिए भी उपयुक्त है।

रोग दिखने पर यह करें...

- जड़ बेधक का प्रकोप खेतों में देखा गया है। इसके आक्रमण से पत्ते सुनहरे पीले हो जाते हैं। तराई बेधक का आक्रमण भी इन दिनों देखा गया है व चोटी बेधक की तितलियां भी निकलनी शुरू हो गई हैं।
- गन्नों में बने चाबुक समान संरचना (स्मट/कंडुआ) को दिखाई देते ही काटकर नष्ट कर दें अन्यथा इसमें उपस्थित बीजाणु उड़कर अन्य पौधों को भी संक्रमित कर देंगे। चाबुक को काटने से पहले लिफाफे से ढकें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	21.09.2022	--	--

एचएयू हरियाणा के अनुसूचित जाति/जनजाति के बेरोजगार युवकों/युवतियों को देगा रोजगारन्मुखी प्रशिक्षण : कुलपति

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। (अभिनव शर्मा) चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के दिशानिर्देश पर विश्वविद्यालय का सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान इस वर्ष भी हरियाणा प्रांत के स्थायी निवासी अनुसूचित जाति/जनजाति के पढ़े-लिखे बेरोजगार युवकों तथा युवतियों के लिए विभिन्न प्रकार के 14 रोजगारन्मुखी प्रशिक्षण आयोजित करने जा रहा है। उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि आठ प्रशिक्षण हरियाणा सरकार तथा छः प्रशिक्षण राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की प्रायोजित स्कीमों के तहत आयोजित किए जाएंगे जिनसे उक्त वर्ग के सैकड़ों प्रशिक्षणार्थी लाभान्वित होंगे। इनमें चार प्रशिक्षण फल एवं सब्जी परिरक्षण, तीन मशरूम उत्पादन तकनीक, दो कटाई एवं सिलाई, दो प्रशिक्षण बेकरी, एक प्रशिक्षण लड्डू तकनीक, एक प्रशिक्षण

दुग्ध उत्पादन एवं इसके मूल्य संवर्धित उत्पाद तथा एक प्रशिक्षण नर्सरी उत्पादन पर आयोजित किए जाएंगे। यह सभी प्रशिक्षण विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल की देख-रेख में आयोजित होंगे। डॉ. गोदारा के अनुसार प्रत्येक प्रशिक्षण में केवल 30 युवकों/युवतियों का चयन किया जाएगा और प्रशिक्षण की अवधि पांच दिवसीय होगी।

प्रशिक्षणों के लिए यह होनी चाहिए योग्यताएं

उपरोक्त प्रशिक्षणों में भाग लेने के लिए आवेदक की आयु 18-45 वर्ष, शैक्षणिक योग्यता 10 वीं पास और परिवार के किसी सदस्य ने पहले इस विश्वविद्यालय या इसके अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्रों/संस्थानों इत्यादि से सरकार प्रायोजित किसी स्कीम के तहत प्रशिक्षण के बाद सहायता सामग्री न ली हो। हरियाणा प्रांत के स्थायी निवासी बेरोजगार युवक तथा युवतियाँ जो उपर्युक्त योग्यता रखते हैं और प्रशिक्षण लेने के बाद इनसे संबंधित अपना व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं वे इस संस्थान में 25-30 सितंबर, 2022 तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए प्रार्थी को अपने साथ एक फोटो, आधार कार्ड, अनुसूचित जाति/जनजाति का प्रमाण पत्र, परिवार पहचान पत्र, दसवीं का प्रमाण पत्र, अन्य शैक्षणिक प्रमाण पत्र, बैंक की पास-बुक इत्यादि की प्रतिलिपि साथ लेकर आनी होगी। पांच दिवसीय प्रशिक्षण के उपरांत सरकार की प्रायोजित योजना के अनुसार प्रशिक्षणार्थियों को सहायता सामग्री और प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	21.09.2022	--	--

अनुसूचित जाति के युवा, युवतियों के लिए हकृवि में 14 रोजगारन्मुखी प्रशिक्षण होंगे

नभ-छोर न्यूज ⏭ 21 सितंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा में हरियाणा प्रांत के स्थायी निवासी अनुसूचित जाति/जनजाति के पढ़े-लिखे बेरोजगार युवकों तथा युवतियों के लिए विभिन्न प्रकार के 14 रोजगारन्मुखी प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे।

संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि आठ प्रशिक्षण हरियाणा सरकार तथा छः प्रशिक्षण राष्ट्रीय कृषि विकास योजना की प्रायोजित स्कीमों के तहत आयोजित किए जाएंगे जिनसे उक्त वर्ग के अनेक प्रशिक्षणार्थी लाभान्वित होंगे। इनमें चार प्रशिक्षण फल एवं सब्जी परिक्षण, तीन मशरूम उत्पादन तकनीक, दो कटाई एवं सिलाई, दो प्रशिक्षण बेकरी, एक प्रशिक्षण स्प्रे तकनीक, एक प्रशिक्षण दुग्ध उत्पादन एवं इसके मूल्य संवर्धित उत्पाद तथा एक प्रशिक्षण नर्सरी उत्पादन पर आयोजित किए जाएंगे। यह सभी प्रशिक्षण विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल की देख-रेख में आयोजित होंगे। डॉ. गोदारा के अनुसार प्रत्येक प्रशिक्षण में केवल 30 युवकों/युवतियों का चयन किया जाएगा और प्रशिक्षण की अवधि पांच दिवसीय होगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षणों में भाग लेने के लिए आवेदक की आयु 18-45 वर्ष, शैक्षणिक योग्यता 10 वीं पास और परिवार के किसी सदस्य ने पहले इस विश्वविद्यालय या इसके अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्रों/संस्थानों इत्यादि से सरकार प्रायोजित किसी स्कीम के तहत प्रशिक्षण के बाद सहायता सामग्री न ली हो। उन्होंने बताया कि इच्छुक 25-30 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए प्रार्थी को अपने साथ एक फोटो, आधार कार्ड, अनुसूचित जाति/जनजाति का प्रमाण पत्र, परिवार पहचान पत्र, दसवीं का प्रमाण पत्र, अन्य शैक्षणिक प्रमाण पत्र, बैंक की पास-बुक इत्यादि की प्रतिलिपि साथ लेकर आनी होगी।